भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

मौखिक प्रश्न सं. +*416

सोमवार, 22 जुलाई, 2019/31 आषाढ़, 1941 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

जैन पर्यटन सर्किट

+*416. श्री अनुराग शर्माः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का देश के विभिन्न भागों में निकट भविष्य में जैन पर्यटन सर्किट स्थापित करने का कोई प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो इसके अंतर्गत विकसित किए जाने वाले प्रस्तावित पर्यटन स्थलों विशेषकर झांसी और समीपवर्ती क्षेत्रों में पर्यटन स्थलों की विस्तृत सूची क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) से (ग): एक विवरण सभापटल पर रख दिया गया है ।

****

जैन पर्यटन सर्किट के संबंध में दिनांक 22.07.2019 के लोक सभा मौखिक प्रश्न सं. +*__416__ के भाग (क) से (ग) के उत्तर में विवरण

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत तीर्थंकर परिपथ को देश में विकास हेतु **15** थीमेटिक परिपथों में से एक के रूप में अभिज्ञात किया है । जैन धर्म से जुड़े सभी स्थल इस परिपथ के अंतर्गत शामिल हैं ।

उपरोक्त योजना के तहत विकास हेतु परियोजनाओं की पहचान राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से की जाती है और निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन और पूर्व में जारी निधियों की उपयोगिता की शर्त पर उन्हें स्वीकृति प्रदान की जाती है । उपरोक्त मानदंड के आधार पर मंत्रालय ने **2016-17** में **52.39** करोड रु. की राशि से 'बिहार में तीर्थंकर परिपथ: वैशाली-आरा-मसाद-पटना-राजगीर-पावापुरी-चंपापुरी के विकास' की परियोजना को स्वीकृति दी है । इस परियोजना पर काम चल रहा है और मंत्रालय ने परियोजना हेतु **26.19** करोड़ रु. की राशि जारी की है ।

उत्तर प्रदेश की राज्य सरकार ने तीर्थंकर परिपथ के अंतर्गत कोई प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया है। तथापि, राज्य सरकार द्वारा विरासत परिपथ के तहत क्रांतिपथ झांसी-ललितपुर के विकास का एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है ।

****